Equip & Grow
बच्चें महत्वपूर्ण है

नाटक के सुराग

संडे स्कूल
CBI
चिल्ड्रेन्स बाइबल इन्वेस्टीगेशन

नाटक के सुराग
शिक्षक के लिए पुस्तिका

नाटक 1

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछ नामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।
सैनिक : प्रिये, जो आज मेरे साथ हुआ उस पर तुम विश्वास नहीं करोगी। मैं बड़ी मुश्किल से ही जिंदा बाहर निकल पाया हूं!
पत्नी: मैंने पहले से ही आपको वहां जाने के लिए मना किया था, लेकिन आपने मेरी बात नहीं सुनी।
सैनिक : हां, तुमने बिल्कुल ठीक कहा था, लेकिन मेरी जान, तुम वहां पर नहीं थी, तुम्हें कभी नहीं पता चल पाता कि क्या होने वाला था।
पत्नी: मेरे पिता की तलवार कहाँ है?
सैनिक : (फुसफुसाते हुए) मैंने उसे एपेसदम्मीम की छावनी में छोड़ दिया है।
पत्नी: खैर, अब काफी समय हो चुका है, तुम अब शारैम के रास्ते से जा कर उस तलवार को वापस लेकर आ जाओ।
सैनिक : मैं ऐसा नहीं कर सकता। वे मुझे मार डालेंगे।
पत्नी: अच्छा, अगर तुम ऐसा नहीं करते तो यहां पर भी तुम्हारे साथ कुछ अच्छा नहीं होने वाला।
सैनिक : मैं जानता हूं कि तुम अभी बहुत गुस्से में हो, लेकिन मैं अभी तुम्हारे पिता की तलवार लेने के लिए वहां नहीं जाऊंगा।
पत्नी: (उदासी से) अगर तुम्हें इतना ही डर लग रहा है तो क्यों ना तुम अपने साथ अपने बड़े भाई या किसी अन्य को लेकर जाते जो उसका भाई हो।
सैनिक: मैं ऐसा भी नहीं कर सकता। उसका भाई भी मर चुका है। हम उसे खो चुके हैं।
पत्नी: (मिश्रण का कटोरा टूट जाता और रोटी का पूरा आटा नीचे गिर जाता है और सारे फर्श पर फैल जाता है) ओह, क्या हुआ?
सैनिक : मैंने तुमसे पहले ही कहा था कि यह काफी विचित्र था। हम एपेसदम्मीम में छावनी डाले हुए थे जिसे तुम सोको के नाम से जानती हो। हमने उन्हें एक महीने तक कोने में दबाए रखा और भीम का बड़ा भाई हर दिन उनके पास बाहर निकलता और उन्हें लड़ने के लिए चुनौती देता और साथ ही साथ उनका बहुत बुरी तरह से अपमान भी करता था। वह रोज उनका मजाक उड़ाता था। यह इतना मजेदार था कि हमने अपने कवच और हथियार को भी बगल में रख दिए थे और केवल बाहर जाते और उन लोगों को बेवकूफ बनते हुए देखकर मजा उठाया करते थे। मैंने तुम्हारे पिता की तलवार को उस तंबू में ही छोड़ दिया ताकि मैं कहीं इसे खो ना दूं।
पत्नी: तंबू में? उस तंबू के बारे में बात कर रहे हो, क्या तुम उसे वापस लेकर नहीं आए?
सैनिक : प्रिये, किसी के पास अब कोई तंबू बाकी नहीं बचा और ना ही कोई तलवार ही बची है। केवल में ही किस्मतवाला था कि मैं जितना तेज हो सका वहां से भाग निकला। तुम्हें केवल खुश होना चाहिए कि मैं किसी तरीके से घर पहुंच सका, जबकि कई अन्य सैनिक ऐसा नहीं कर पाए हैं।
पत्नी: खैर, घर में आपका स्वागत है! हम किसी तरह काम चला लेंगे। मुझे तुम्हारी बहुत याद आती थी।
सैनिक : मुझे भी तुम्हारी बहुत याद आती थी।

नाटक 2

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछ नामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।
जासूस: उन पदचिन्हों की एक तस्वीर ले आओ, यह शायद पंक्ति संख्या 5 में होंगे।
विशेषज्ञ : ठीक है मेरे पास यहां पर पुरुषों के पैरों के प्रिंट है। ऐसा लगता है कि वे भाग रहे थे।
जासूस: साथ ही हमारे पास यहां पर जूतों के निशान भी है जिसे देख कर ऐसा लगता है कि वे वहां खड़े होकर रखवाली कर रहे थे, देखो कि वे कितना धूल उड़ा रहे थे।
विशेषज्ञ: वे काफी छोटे दिख रहे हैं। वे कुल मिलाकर दो स्त्रियां रही होंगी, शायद तीन, जो मध्यम आकार के होंगे।
जासूस: (दूसरे प्रिंट को देखते हुए और उस पर ध्यान लगाते हुए) इसके बारे में क्या सोचते हो, यह निशान काफी बड़ा दिखाई देता है। यह यहां से शुरु होकर (आसपास देखते हुए) वहां तक (आसपास देखते हुए) फैला हुआ है???
विशेषज्ञ: सच में? (अपनी आंखों को कैमरा से हटाते हुए)

नाटक 2

जासूस: मैंने तुमसे इस क्राइम सीन को बिगाड़ने के विषय में क्या कहा था?
विशेषज्ञ: (सर झुकाते हुए) कि अगर मैं ऐसा फिर से करूंगा तो आप मुझे नौकरी से निकाल देंगे।
जासूस: तुमने यहां कुछ बिगाड़ा तो नहीं है?
विशेषज्ञ: बिल्कुल नहीं!
जासूस: अपने दिमाग पर जोर डालो, क्या तुम यहां चले तो नहीं थे, यहां पर देखो, यह तुमने यहां की मिट्टी हटाने के बारे में तो सोचा नहीं था?
विशेषज्ञ: बिल्कुल नहीं, मैं कसम खाता हूं!
जासूस: अगर तुम यहां पर नहीं आए और ना मैं यहां पर पहले आया, तो यहां पर पैरों के निशान की इतनी बड़ी पंक्ति कहां से आई (उन बड़े पदचिन्हों की ओर इशारा करते हुए) जिसने केवल एक ही स्थान पर छुआ और किसी स्थान पर वह निशान नहीं है?
विशेषज्ञ: ऐसा लगता है कि वे स्त्रियां अपने साथ कुछ उठाए हुए चल रही थी।
जासूस: हां, लेकिन कुछ ऐसा नहीं जो इतना बड़ा हो, बल्कि वे तो केवल कुछ छोटी चीजों को ही उठाकर चल रही थी जैसे कि बोतल या कपड़े।
विशेषज्ञ: लेकिन वह भागते हुए पुरुष अपने साथ इतनी बड़ी कोई भी चीज लेकर नहीं भागे होंगे।
जासूस: मैं इसे नहीं समझ पा रहा। मेरे पास नंगे पैरों की जोड़ी के पदचिन्ह है जो गुफा में से बाहर तो निकले लेकिन वापस उसके अंदर नहीं गए। उन भागते हुए पुरुषों के पैरों के निशान, जूतों की जोड़ी के निशान, फिर उसके बाद उन बड़े पैरों के निशान जो पता नहीं कहां से यहाँ पर आया और उस बड़े चट्टान के ऊपर चला गया।
विशेषज्ञ: ऐसा लगता है कि कोई भूकंप रात को वहां पर आया होगा। फिर भी बगीचा बिल्कुल सही सलामत दिख रहाहै।
जासूस: तुमने अभी अभी क्या कहा?
विशेषज्ञ: कि बगीचा बिल्कुल सही सलामत दिख रहा है...
जासूस: नहीं, उससे पहले...

नाटक 3

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछना मों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।
कप्तान: मुझे एक रिपोर्ट लिखवानी है।
समुद्री सुरक्षा गार्ड: ठीक है, यह रहे वे मानक फॉर्म जिन पर ऐसी असामान्य घटनाओं का विवरण भरा जाता है, आपको कौन सा फॉर्म चाहिए?
कप्तान: डूबे हुए यात्री का फॉर्म।
सुरक्षा गार्ड: ठीक है, क्या आप उसकी लाश को बरामद कर पाए?
कप्तान: जी नहीं सर, हम नहीं कर पाए।
सुरक्षा गार्ड: उस समय मौसम कैसा था? क्या आप का जहाज उस आंधी की चपेट में आया तो नहीं था?
कप्तान: जी हां, उस तूफान ने हमारे जहाज को बहुत नुकसान पहुंचाया था।
सुरक्षा गार्ड: ठीक है, क्याआपके सामान का भी नुकसान हुआ है? अगर आपने अपने किसी सामान या अधिकारी को खोया है तो आपके लिए यह दूसरा फॉर्म है जो आपको भरना होगा।
कप्तान: वह एक यात्री था।
सुरक्षा गार्ड: ओह, तो ठीक है, आपको यह एक अन्य अतिरिक्त फॉर्म भी भरना होगा ताकि हम उस मृत व्यक्ति के परिवार वालों को खबर दे सके, क्या आप यकीन से कह सकते हैं कि वह मर गया है?
कप्तान: खैर सर, मुझे इस बारे में यकीन के साथ कुछ नहीं पता कि वह मर गया है कि नहीं?
सुरक्षा गार्ड: खैर, आपने उस व्यक्ति को उस समय समुद्र में खोया जब वहां तेज आंधी चल रही थी, सही है ना?
कप्तान: खैर, हां, लेकिन यह घटना लगभग उस तूफान के सामने से कुछ देर पहले की ही है।
सुरक्षा गार्ड: क्या आपने किसी को भेजकर उसे ढूंढने की कोशिश की?
कप्तान: खैर, हां, लेकिन वह हमें कहीं नहीं मिला.... वह कहीं खो गया था इसलिए हम उसे नहीं ढूंढ पाए...

नाटक 4

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछ नामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।

पुलिस: जरा सुनो, मेरे साथी और मैं आप से कुछ सवाल पूछना चाहते हैं।

पैदल यात्री: बिल्कुल ऑफिसर, आपको मुझसे क्या पूछना है?

पुलिस: हमें पिछली रात एक रिपोर्ट मिली जिस में बताया गया कि एक गाड़ी किसी को टक्कर मारकर भाग निकली।

पैदल यात्री: ओह सर, क्या आपको पता है कि मैं इसीलिए उन हाईवे पर कभी अकेले यात्रा करने की कोशिश नहीं करता। आप पुलिसवाले काफी कम स्थान पर ही होते हैं और यह हाईवे तो उन जैसे डाकुओं से भरी पड़ी है।

पुलिस: (अपने साथी को देखते हुए) मैंने डाकुओं के बारे में कुछ भी नहीं कहा, क्या तुमने कुछ कहा था?

पुलिस 2 : नहीं, मैंने कुछ नहीं कहा।

पुलिस 1 : तुम्हें कैसे पता कि वे डाकू ही थे? क्या तुम हमें बता सकते हो कि पिछली रात तुम कहां पर थे?

पैदल यात्री: (थोड़ा घबराते हुए) मैं अपने परिवार के पास उनसे मिलने के लिए शहर गया हुआ था और रात को ही मैं अपने घर वापस लौट आया था ताकि सुबह मैं अपने काम पर जा सकूं।

पुलिस: आहा, इसका मतलब पिछली रात तुम इस हाईवे पर ही थे?

पैदल यात्री: यस सर।

पुलिस: क्या तुमने यहां पर एक आदमी को, जो लगभग 180 सेंटीमीटर लंबा, मध्यम काठी, और गली के गुंडे से दिखने वाले एक व्यक्ति को देखा जिसे यहां सड़क के किनारे पीटा गया था?

पैदल यात्री: नहीं, या यह हो सकता है कि मैंने ऐसा कुछ देखा हो लेकिन अच्छी तरह उस पर ध्यान ना दिया हो।

पुलिस 2 : (अपने हाथों में नोटबुक लेता है और उस पर कुछ लिखता है)

पुलिस: तुमने उसे देखा नहीं या तुम उसे देखना नहीं चाहते थे ?

पैदल यात्री: देखो, मुझे तैयार होना है, मुझे अपने काम पर जाना है और मैं ऐसे किसी मामले में शामिल होना नहीं चाहता। क्या होगा अगर वे मुझे पूछताछ के लिए बुलाएंगे? किसको पता कि वह कितनी देर पूछताछ करेंगे और फिर वापस कितनी बार पूछताछ करेंगे।

पुलिस2: हा हा हा हा, वह मदद करना नहीं चाहता क्योंकि उसे पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है, हा हा हा, क्या मजाक है, तो क्या तुम्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया?

पैदल यात्री: कोई बात नहीं, वह इतना महत्वपूर्ण नहीं है।

पुलिस: बस मुझे यही सवाल पूछने थे। अगर मुझे जरूरत होगी तो क्या मैं आपको बुला सकता हूं?

पैदल यात्री: किसी भी समय, मुझे आपकी मदद करने में खुशी होगी।

पुलिस 2 : (पैदल यात्री को ओर अविश्वास भरी नजर से देखता है)

नाटक 5

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछ नामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।
पुलिस: जरा सुनिए मैडम?
महिला: जी ऑफिसर?
पुलिस: मेरे पास कुछ सवाल है जो मैं आप से पूछना चाहता हूं।
महिला: जी, आप जैसे अच्छे आकर्षक ऑफिसर के लिए किसी भी सवाल का जवाब जरूर दूंगी।
पुलिस: ओह, धन्यवाद, हां, खैर, मैं सोचता हूं कि क्या आपने दूसरी घोषणा से पहले की रात कुछ देखा था?
महिला: आप का मतलब सड़क के उस ओर ज़ेरेश और उसके बेचारे पति के घर में?
पुलिस: बिल्कुल...
महिला: खैर, यह काफी अजीब बात थी, देखिए, क्योंकि पिछले पूरे एक हफ्ते से कई मजदूर उसके सामने के आंगन में काम कर रहे थे...
पुलिस: कहते जाओ (एक नोटबुक निकालता है और उसमें कुछ लिखता जाता है)
महिला: देखिए, ऐसा लगता है कि यह एक आत्महत्या का मामला है लेकिन अगर आप मुझसे पूछोगे तो यह काफी अजीब बात लगती है। इन सारे मामलों में कहीं ना कहीं, कुछ ना कुछ गड़बड़ जरूर है।
पुलिस: तो आपको लगता है कि यह एक आत्महत्या नहीं थी?
महिला: खैर, मैं इस बारे में कुछ नहीं कह सकती। उसके जैसा एक दुष्ट आदमी... खैर मुझे लगता है कि अब यह मेरी समस्या नहीं है, लेकिन मुझे यकीन था कि वह जरूर किसी के बारे में कोई षड्यंत्र रच रहा था, लेकिन अगले ही दिन मैंने उससे शहर के अलग-अलग स्थानों पर यह घोषणा करते हुए जाते देखा कि वह कितना महान व्यक्ति है... लेकिन... लेकिन अब देखो मेरा वह पडोसी उस भयानक फंदे पर लटका हुआ था!

नाटक 6

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछनामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।
सफाई कर्मचारी: (अपने मोबाइल पर बात करते हुए) हेलो, सफाई कार्यालय? मुझे एक शिकायत दर्ज करानी है।
कार्यालय: (काफी उबाऊ लग रहा था), हां, अरे कौन सी बात है कर्मचारी ?
कर्मचारी: आपको फिर से परेशान करने के लिए माफी चाहूंगा, लेकिन यह तो हद हो गई। इसबारे में कुछ तो किया जाना चाहिए।
कार्यालय: किस विषय में कुछ किया जाना चाहिए?
कर्मचारी: यहां हर जगह इस्तेमाल किए गए मरहम पट्टियां और बैंडेजपड़े हुए हैं।
कार्यालय: अच्छा, तो ऐसा करो कि प्लास्टिक के दस्ताने पहन कर उन्हें इकट्ठा करो।
कर्मचारी: अरे नहीं, आप समझ नहीं रहे, वह हर तरफ फैले हुए हैं (गहरी सांस लेता है) यहां कम से कम दर्जनभर बीमार लोग होंगे जिन्होंने अपने मरहम-पट्टी यहां पर उतार कर फेंक दी है, यह काफी बुरा दिख रहा है।
कार्यालय: ठीक है, अभी तुम कहां पर हो?
सफाई कर्मचारी: शहर के पश्चिमी तरफ जोकि दक्षिणी मोड पर यरूशलेम हाईवे के पास है।
कार्यालय: ठीक है, ऑफिसर जोसेफ अभी ड्यूटी पर है, मैं उसे तुरंत ही तुम्हारे पास भेज दूंगा जब वह शहर की ओर से आ रही एक भीड़ के बारे में अपनी रिपोर्ट पूरी कर लेगा।
सफाई कर्मचारी: ओह, ऑफिसर जोसफ को नहीं, वह मेरी कुछ भी मदद नहीं कर पाएंगे।
कार्यालय: खैर, वही एक अकेला ऑफिसर अभी यहां पर है नहीं तो तुम्हें अगले 2 घंटे तक शिफ्ट बदलने तक इंतजार करना होगा।
सफाई कर्मचारी: ओह, तो ठीक है, कोई बात नहीं, मैं खुद ही इसे साफ कर दूंगा (बड़बड़ाता हुआ साफ करता है)।

नाटक 7

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछ नामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।
पोड: पर - पर - पर - पर - पर - पर - दादा?
पर दादा: हां, नौजवान?
पोड: क्या आप मेरे स्कूल अनुसन्धान कार्य में सहायता करेंगे?
परदादा: अवश्य, चाहो तो मेरे बगल में चलते रहो जबकि मैं काम कर रहा हूं, मुझे आज दिन के ख़त्म होने तक इन पौधों को पंक्ति में लगानी है ताकि कल इतनी मेहनत नहीं करनी होगी। माथे का पसीना पोंछता है...
पोड: बढ़िया! मैं अब तक का श्रेष्ठ अनुसन्धान प्राप्त करने जा रहा हूँ। एक रिपोर्ट के लिए मैं एक बुजुर्ग व्यक्ति की शुरूआती यादों को खोजने जा रहा हूँ जिन्हें मैं जानता हूँ ।
परदादा: इसके लिए तुमने मुझे चुना, क्या ऐसा है?
पोड: अवश्य मैंने ऐसा किया है। तो, क्या आप मुझे इन पर्वतों के बारे में बता सकते हैं कि यह यहाँ कैसे आये हैं?
परदादा: आह, मैं बुजुर्ग हो सकता हूँ, लेकिन मैं धूल से अधिक बुजुर्ग नहीं हूँ।
पोड: ठीक है, इस नदी के बारे में?
परदादा: मैंने एक बार वसंत को देखा है जिसने इसे खिलाया है, लेकिन तब मैं युवा था और मैं वापस नहीं गया हूँ।
पोड: तो, शुरूआती बात क्या है जो आप याद कर सकते हैं?
परदादा: जानवर। मेरी दुल्हन और मैं सुबह बाहर निकलते और उनको खेलते देखते हुए हम नाश्ता करते और मैं कहता, वहां देखो उसको, वह कितना शांत है, और वह कहती, कौनसा, वह बड़ा भूरा या लाल वाला इसके ऊपर? कुछ समय बाद हम इसे जान जाते और जानवरों को उनकी बदमाशी, शरारत भरे काम करते देखते हुए अपने नाश्ते का आनंद उठाते थे।
पोड: सच में? यह जरुर बहुत अच्छा रहा होगा।
परदादा: हां, ऐसा ही था। कौन जानता है कि हो सकता है कि तुम या तुम्हारा कोई बच्चा उन्हें वैसे ही किसी दिन एक साथ आते हुए देखने पाओगे।
पोड: वह कितना अद्भुत होगा!

नाटक 8

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछ नामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।
डॉक्टर: नमस्ते गार्ड, मैं जॉन को जांचने वापस आया हूँ।
गेट कप्तान: ओह, वह जरुरी नहीं होगा।
डॉक्टर: आपका क्या मतलब है? मैंने उसे आराम करने के सख्त आदेश दिए हैं, मैं निश्चित था कि वह इसे रात्रि से करने नहीं जा रहा था। इसलिए, मैं उसे देखने आया हूँ।
गार्ड: ठीक है, आपका काम बदल गया है एक “आने” से एक “जाने” में।
डॉक्टर: यह वास्तव में अजीब है। क्या जॉन मर गया है या उसमें कुछ सुधार आया है?
गार्ड: मैं नहीं जानता। मेरी हॉट शीट कल से इस प्रकार की जानकारी नहीं रखती, मैं केवल देखता हूँ कि आपका कार्य एक “आना” से बदलकर एक “जाना” हो गया है।
डॉक्टर: यह बुरा है, क्या बड़ों ने इसे वापस बदल दिया है। मैं उनसे बात करना चाहूँगा।
गार्ड: उन्होंने इसे वापस बदल दिया है, लेकिन मुझे संदेह है कि आपको उनसे कुछ मदद मिलेगी।

नाटक 8

डॉक्टर: ऐसा क्यों है? मैंने सोचा वे कुछ मदद लेने गये हैं।
गार्ड: उन्होंने ऐसा किया, लेकिन तब बॉस आगे गये और उसको ना आने को कहा। मैं नहीं जानता क्या हुआ, लेकिन कल जब बॉस चले गये तब उसने आपके आदेश बदल दिए।
डॉक्टर: ठीक है, क्या मैं तब आपके बॉस से बात कर सकता हूँ?
गार्ड: नहीं, आप वास्तव में नहीं चाहते "आना" जब वह कहता हैं "जाओ", क्या आप चाहते हो?
डॉक्टर: नहीं, अवश्य मैं नहीं आना चाहता, धन्यवाद आपके समय के लिए।

नाटक 9

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछ नामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।
इंस्पेक्टर: (दरवाजे पर दस्तक) शुभ प्रभात, यह स्वास्थ्य विभाग है, मेरे पास आपके लिए कुछ सवाल हैं।
यहूदा:(दरवाजा खोलते हुए) हां इंस्पेक्टर?
इंस्पेक्टर: यहां कुछ स्वास्थ्य देखभाल की एक रिपोर्ट है। क्या आप यहां दवा का अभ्यास कर रहे हैं?
यहूदा: नहीं साहब।
इंस्पेक्टर: यात्री के साथ आपकी भागीदारी का आप कैसे वर्णन करेंगे?
यहूदा: वह अपने समूह के साथ मेरे पास आया था...
इंस्पेक्टर: क्या आपने उन्हें कुछ विशेष खाद्य पदार्थ दिया?
यहूदा: उनके साथी के समूह ने बहुत सारा खाए, लेकिन मुझे यकीन नहीं है कि मैंने यात्री को कुछ भी खाते हुए देखा। वह सिर्फ प्रार्थना करने में बहुत समय बिताया था।
इंस्पेक्टर: क्या तुमने उसे अच्छी तरह से देखा था?
यहूदा: दरअसल नहीं, मैंने उसे सहायता प्रदान की, मैंने उससे कहा कि मुझे डॉक्टर को बुलाने दे, लेकिन उसने मुझे नहीं बुलाने दिये। वह किसी का इंतजार कर रहा था।
इंस्पेक्टर: तो, क्या उसने अपने किसी साथी को उनके लिए भेजा था?
यहूदा: नहीं, असल में वे किसी से भी बात नहीं कर रहे थे। उसने सिर्फ, प्रार्थना की और इंतजार किया।
इंस्पेक्टर: फिर क्या हुआ?
यहूदा: फिर, कुछ दिनों के बाद कोई आया, उसे छूआ, उसने उससे कुछ कहा, उसे पानी से धोया और चला गया।
इंस्पेक्टर: क्या वह डॉक्टर था? क्या उन्होंने कोई दवा बताई? किसी भी उपकरण का उपयोग किया?
यहूदा: नहीं, नहीं, और नहीं।
इंस्पेक्टर: क्या वे दोस्त थे?
यहूदा: दरअसल, मैंने सोचा था कि वे दुश्मन है, लेकिन वे निश्चित रूप से मित्रों की तरह अभिनय कर रहे थे। मैं वास्तव में पूरी बात से उलझन में था।
इंस्पेक्टर: ठीक है, आपकी सहायता के लिए धन्यवाद। अगर मेरे पास और कोई सवाल हुए तो मैं आपको कहाँ ढूँढ सकता हूं?
यहूदा: मैं अपने घर में ही मिलूंगा, सीधी गली पर।

नाटक 10

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछ नामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।
ऑपरेटर: आपातकालीन सेवाएं, आपकी आपात स्थिति क्या है?
फिनास: मुझे एक विश्वसनीय मौत की धमकी मिली है।
ऑपरेटर: ऐसा कब हुआ?
फिनास: पिछली रात। यह मेरे भाई द्वारा मेरे पिता को दिया गया था।
ऑपरेटर: ठीक है, मैं समझता हूं, मुझे लगता है आपके भाई ने तुम्हें मारने की धमकी दी है?
फिनास: पूरी तरह से नहीं।
ऑपरेटर: क्या वह आपका भाई नहीं है?
फिनास: नहीं, लेकिन मेरा मतलब दूसरा था। वह वास्तव में मुझे मारने वाला नहीं है।
ऑपरेटर: ठीक है, तो आप कहते हैं कि आपका गैर-भाई आपको मारने वाला नहीं है?
फिनास: हां यह सही है।
ऑपरेटर: मुझे नही लगता कि यहां रिपोर्ट करने के लिए एक अतिआवश्यक्ता है।
फिनास: खैर,वह कहता है कि परमेश्वर मुझे और मेरे भाई को एक ही दिन में मारना चाहता है।
ऑपरेटर: क्या परमेश्वर आप दोनों को एक ही दिन मारना चाहता हैं?
फिनास: हां यह सही है।
ऑपरेटर: एक सेकंड रुको, मैं तुम्हारी आवाज को पहचानता हूं जो मुझे लगता है। क्या आप वे मोटे प्रीस्ट हैं जो हमेशा स्टेक खाते हैं?
फिनास: नहीं, आप मेरे भाई के बारे में सोच रहे हो, मुझे पसलियाँ पसंद है।
ऑपरेटर: देखो, मैं कठोर नहीं हूं, लेकिन मैंने कभी उसके बारे में नहीं सुना कि वह गलत है। इसके अलावा, यदि आप परमेश्वर के विरुद्ध पाप करते हैं, तो आपकी सहायता कौन करेगा?
फिनास: अरे, यह कठोर था, तो क्या आप किसी अधिकारी को या किसी को भेजेंगे?
ऑपरेटर: महोदय, मुझे खेद है, आपकी मदद करने के लिए हम कुछ भी नहीं कर सकते। अपने पिता से बात करने की कोशिश करें कि वह आपकी मदद करने के लिए कोई तरीका निकालें।
फिनास: खैर, धन्यवाद। अलविदा।

नाटक 11

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछ नामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।
संदेशवाहक - मैं वापस आ गया हूं।
मरियम - उसने क्या कहा?
संदेशवाहक - बड़ी खबर, उसने कहा यह बीमारी मृत्यु में खत्म नहीं होगी।
मरियम - (सिसक के और रोने लगती है)
संदेशवाहक - क्या हुआ?
मरियम - वह तो मर चुका है।
संदेशवाहक - ऐसा कैसे हो सकता है? ऐसा तो नहीं लग रहा था कि वह अगले दिन भी आएगा।
मरियम - मुझे समझ में नहीं आ रहा है, क्या तुम्हें निश्चय है कि उसने कहा था कि वह मरने वाला नहीं है?
संदेशवाहक - मुझे देखने दो (एक कागज का टुकड़ा निकालता है और उसे पढ़ता है), हां यह तो ऐसा ही दिखता है, “यह बीमारी मृत्यु में खत्म नहीं होगी।”
मरियम - यह मुझे दो (उसे पढ़ती है)
संदेशवाहक - तुम्हें जो हानि हुई उसके लिए मुझे खेद है।
मरियम - क्या उसने कहा कि वह आ रहा है?
संदेशवाहक -हां!
मरियम -ठीक है, जब वह यहां आएगा तब मैं उससे बात करूंगी, क्योंकि मैं कुछ भी नहीं समझ पा रही हूं (सुबकना शुरू कर देती है)
संदेशवाहक - क्या कुछ और भी है?
मरियम -मुझे अंतिम क्रिया के प्रबंध को शुरू कर देना चाहिए, क्या तुम जाकर फूलवाले को कुछ फूलों का आर्डर दे दोगे, मुझे यहां कुछ और भी मदद की आवश्यकता पड़ सकती है।
संदेशवाहक - बिल्कुल ठीक।

नाटक 12

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछ नामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।
द्वारपाल - हैलो ऑफिसर, आज मैं आपकी मदद कैसे कर सकता हूं?
जासूस - शुभ दोपहर (बिल्ला उतारता है और जेब में रखता है) क्या मैं आपसे कुछ प्रश्न कर सकता हूं?
द्वारपाल - हां, अवश्य।
जासूस - मैं समझता हूं कि इस इमारत में आज दो हत्याएं हुई हैं।
द्वारपाल - हम्म्, नहीं महाशय , मैं कहूंगा ये आत्महत्याएं थीं।
जासूस - क्यों? निश्चिय रूप से तुम उन्हें आत्महत्या ही क्यों बयान कर रहे हो? मुझे वो आत्महत्या के पहले लिखा गया को पत्र वहां नहीं दिखा, सबूत नहीं है, इससे यह आत्महत्या की श्रेणी में नहीं आता।
द्वारपाल - अच्छा, उन्होंने धोखा देने की योजना बनाई थी जो बहुत ही बुरा हुआ और इसका परिणाम उनकी मौत बन गई
जासूस - तुम कहां थे?
द्वारपाल - हमेशा की तरह, मैं यहां दरवाजे के बाहर ही खड़ा था।
जासूस - क्या इस नाटक में तुम्हारी भी कोई भूमिका है?
द्वारपाल - हां महाशय, मैं शवों को कमरे के अंदर से बाहर लाया और मृत्यु समीक्षक को दिया जिसने उन्हें दफनाने के लिए दे दिया।
जासूस - अच्छा, तो, तुमने शवों को देखा था?
द्वारपाल - हां महाशय, वे एक पुरूष और एक स्त्री के थे।
जासूस - जब तुमने उन्हें उठाया तो क्या उनके शरीर पर चोट या घाव के निशान थे?
द्वारपाल - नहीं महाशय, वे बिल्कुल स्वस्थ दिखते थे, सिवाय इसके कि वे मरे हुए थे।
जासूस - मैं यह अनुमान लगा सकता हूं कि तुम बाहर देखते हुए यह नहीं बता सकते कि अंदर क्या हो रहा है, क्या तुम ऐसा कर सकते हो?

नाटक 12

द्वारपाल - यह अजीब है तुम यह कह सकते हो कि उन्होंने यह सोचा, परन्तु मैं तुम्हें बताऊं कि इस कमरे में बहुत से झूठे नहीं पाए गए।
जासूस - क्या कहा तुमने?
द्वारपाल - यहां झूठे नहीं पाए जाते।
जासूस -नहीं... इसके पहले।
द्वारपाल - ओह, कि कोई भी नहीं देख सकता था कि अंदर क्या चाल रहा था।

नाटक 13

कथावाचक: यह एक काल्पनिक कहानी है लेकिन कुछ नामों और स्थानों को बदल दिया गया है ताकि किसी निर्दोष को इससे कोई नुकसान ना पहुंचे।
मुसाफिर: आप किसे ढूंढ रहे हो?
प्राइवेट जासूस: मैं एक युवक के गुमशुदगी के मामले की पड़ताल कर रहा हूं जो लगभग इतना लंबा होगा और उसने शायद एक विशेष तरह की जैकेट पहन रखी थी।
मुसाफिर: जी हाँ, मैंने उसे देखा था, वह यहां पर कुछ दिन पहले आया था।
प्राइवेट जासूस: क्या आप जानते हो कि वह कहां जा रहा था?
मुसाफिर: मुझे लगता है कि वह शायद दोतान की तरफ जा रहा था।
प्राइवेट जासूस: दोतान की ओर क्यों?
मुसाफिर: खैर, मैंने उसके भाइयों को वहां की ओर जाने के बारे में कहते सुना था इसलिए जब वह यहां पर उनके बारे में पूछ रहा था तब मैंने उससे कहा कि वह शायद दोतान की ओर गए हैं।
प्राइवेट जासूस: क्या आपने कुछ और भी सुना था?
मुसाफिर: जी हां, अगर वह उनका भाई होता तो मैं कभी भी उनके पास नहीं जाता। वे उसके प्रति काफी गुस्से से भरे हुए थे।
प्राइवेट जासूस: काफी विचित्र बात है, क्या आपने सुना कि वह क्यों इतना गुस्सा थे?
मुसाफिर: खैर शायद, मुझे लगता है कि उसने अपने भाइयों के बुरे व्यवहार की खबर अपने पिता को दी होगी और उसके बाद वे बड़े शांत आवाज में कुछ कह रहे थे जिसे मैं सुन नहीं पाया।
प्राइवेट जासूस: तुमने नहीं सुना या तुम सुनना नहीं चाहते थे?
मुसाफिर: मैंने यहां वहां से टुकड़ों में कुछ सुना लेकिन वह मेरे लिए कोई मतलब की बात नहीं लेगी, लेकिन वे सभी भाई इस बात से यकीनन काफी खुश लग रहे थे। दान काफी गर्म मिजाज का लग रहा था लेकिन बेन जहां तक लगता है कि उसका नाम था, वह ज्यादा रोमांचित लग रहा था।
प्राइवेट जासूस: और तुमने उसे बताया कि उसके भाई कहां की ओर गए थे?
मुसाफिर: खैर, मैंने पाया कि दोतान की तरफ जाने से पहले वे सभी शांत हो चुके थे और वह सुरक्षित लग रहा था।
प्राइवेट जासूस: मुझे इस बारे में यकीन नहीं होता।
मुसाफिर: क्यों, कुछ हुआ क्या?
प्राइवेट जासूस: हां, वह गुमशुदा है और अब तक उसे मृत माना जा चुका है। उसके पिता ने मुझे इस काम की पड़ताल के लिए नियुक्त किया है कि उसके गुम होने से पहले के समय का ब्यौरा इकट्ठा करूं और अगर संभव हो तो उसके अवशेष भी ढूंढ निकालूं।
मुसाफिर: ओह प्रभु, बेचारा जवान, वह इतना खोया हुआ लग रहा था। मैं तो केवल उसकी मदद करना चाहता था, लेकिन मुझे सचमुच इसके बारे में कुछ नहीं पता था!